Vol III Issue VII Jan 2014

Impact Factor : 1. 9508(UIF)

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 1. 9508(UIF)

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest,Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.net

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 1.9508(UIF)
Volume-3 | Issue-7 | Jan-2014
Available online at www.aygrt.isrj.net

भागलपुर जिला में जनसंख्या वृद्धि तथा लिंगानुपात में त्वरित परिवर्तन का अध्ययन (2001–2011)

पूजा कुमारी

नेट (यू.जी.सी.) शोध छात्रा विश्वविद्यालय भूगोल विभाग, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

सारांश :- भागलपुर जिला दक्षिण बिहार मैदान का पूर्वी हिस्सा है। यह सोलह प्रखण्डों से मिलकर बना है। इसके उत्तरी भाग मे नयी जलोढ़ मिट्टी पायी जाती है जबकि दक्षिणी भाग पर पुरानी जलोढ़ मिट्टी का विस्तार है। यह प्राचीन अंग जनपद का प्रदेश है। प्रस्तुत शोध पत्र में जिले की जनसंख्या तथा लिंगानुपात में 2001–2011 की अवधि के बीच होनेवाले परिवर्तनों को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। यह अध्ययन मुख्यतः जनगणना 2001 तथा 2011 के आंकड़ों पर आधारित है। इस अवधि के दौरान अध्ययन क्षेत्र के जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 25.13 प्रतिशत रही है जबकि लिंगानुपात में +3 अंकों का घनात्मक परिवर्तन आया है। प्रखण्ड स्तर पर में कुल सोलह प्रखण्डों में से आठ में लिंगानुपात में वृद्धि हुई है, जबकि छः प्रखण्डों में इसमें कमी आयी है। परम्परावादी समाज में स्त्रियों की निम्न सामाजिक तथा आर्थिक दशा तथा लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की चाहत इसके प्रमुख कारण है।

महत्वपूर्ण शब्द : लिंग अनुपात, मानव संसाधन, जनांकिकी, भ्रुण हत्या, लिंगपरक भेदभाव।

प्रस्तावना :

किसी भी प्रदेश में विभिन्न प्रकार के लोग रहते है। लोगों को आयु लिंग तथा उनके निवास स्थान के आधार पर अलग–अलग वर्गों में रखा जा सकता है। उदाहरण के लिए लिंग के आधार पर हम इसे पुरूष तथा स्त्री दो वर्गों में रख सकते हैं। इसी प्रकार इसे ग्रामीण नगरीय बालक वयस्क तथा साक्षर–निरक्षर आदि में भी वर्गीकृत किया जा सकता है। इसके आधार पर जनांकिकी विशेषताओं तथा जनसंख्या में होनेवाले त्वरित तथा दीर्घकालिक परिवर्तनों एवं इसके कारणों का पता चलता है, जिसके आधार पर वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की योजनाओं की दिशा निर्धारित की जाती है। इस प्रकार जनसंख्या संघटन का अध्ययन किसी प्रदेश के वर्तमान तथा भविश्य के लिहाज से महत्वपूर्ण होता है।

स्त्री तथा पुरूष किसी भी प्रदेश की महत्वपूर्ण जनांकिकी विशेषता होती है। जनसंख्या में स्त्रियों तथा पुरूषों की संख्या के अनुपात को लिंगानुपात कहा जाता है। सामान्यतः जनसंख्या में प्रति 1000 पुरूष पर स्त्रियों की संख्या को लिंगानुपात के रूप में व्यक्त किया जाता है। गणितीय रूप में इसे निम्न प्रकार व्यक्त करते है,

$$\text{लिंग अनुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{\text{पुरूषों की संख्या}} \times 1000$$

लिंग अनुपात किसी प्रदेश में स्त्रियों की स्थिति के सम्बंध में महत्वपूर्ण सूचना देते है। जिन प्रदेशों में लिंगपरक भेदभाव अनियंत्रित होता है, वहाँ लिंगानुपात निश्चित रूप से स्त्रियों के प्रतिकूल होता है। इन क्षेत्रों में सामान्यतः स्त्री भ्रूण हत्या, स्त्री शिशु हत्या तथा स्त्रियों के प्रति घरेलु हिंसा की प्रथा प्रचलित होती है।

प्रस्तुत शोधपत्र में मे बिहार राज्य के भागलपुर जिला के जनसंख्या तथा लिंगानुपात में होनेवाले त्वरित परिवर्तनों को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। 2001–11 की अवधि में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या जहाँ 25.13 प्रतिशत की दर से बढ़ी वहीं लिंगानुपात में भी सकारात्मक परिवर्तन हुआ है।

अध्ययन क्षेत्र

भागलपुर जिला बिहार राज्य के दक्षिणी–पूर्वी भाग में स्थित है। इसकी अक्षोशीय स्थिति 2507' उत्तर से 25030' उत्तर अक्षांशों के बीच तथा देशांतरीय स्थिति 86037' पूर्व से 87030' पूर्वी देशांतरों के बीच है। इसका कुल क्षेत्रफल 2569.50 कि.मी02 है। यह मुख्य रूप से दक्षिणी बिहार मैदान में स्थित है। गंगा नदी जिले में पश्चिम से पूरब की ओर प्रवाहित होती है। भागलपुर जिला के उत्तर में मधेपुरा, पूर्णिया तथा कटिहार जिले स्थित हैं, दक्षिणी में बांका जिला इसकी सीमा निर्धारित करता है जबकि इसकी पश्चिमी सीमा पर मुंगेर तथा खगड़िया जिले स्थित है तथा पूर्वी सीमा झारखण्ड राज्य के गोड्डा तथा साहेबगंज जिलों से मिलती है।

प्रशासनिक रूप से अध्ययन क्षेत्र सोलह प्रखण्डों में विभाजित है, नारायणपुर, बिहपुर, खरीक, नौगछिया, रंगरा चौंक, गोपालपुर, पीरपैंती, कहलगांव, इस्माईलपुर, सबौर, नाथनगर, सुल्तानगंज, शाहकुण्ड, गोराडीह, जगदीशपुर तथा सन्हौला। जनगणना 2011 के अनुसार इसकी कुल आबादी 3032226 व्यक्ति है, जिसमें 80.20 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है। जनधनत्व 1180 व्यक्ति प्रति कि.मी02 है। लिंगानुपात 879 महिलाएँ प्रति हजार पुरूष तथा साक्षरता दर 64.96 प्रतिशत है।

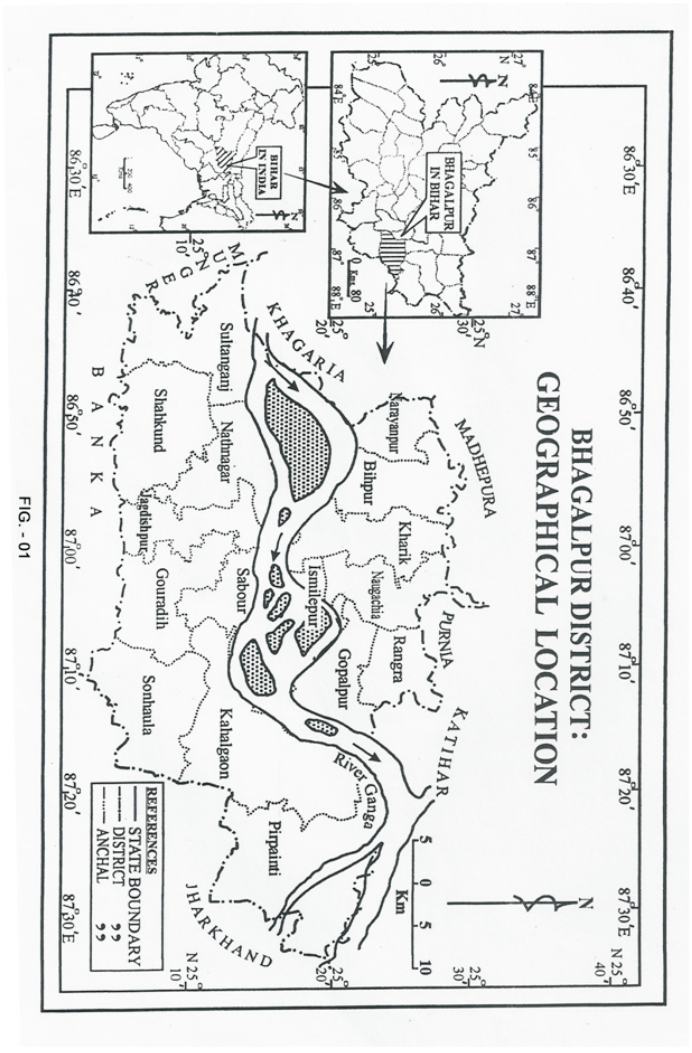

FIG. - 01

आंकड़ों के स्त्रोत तथा विधितन्त्र :

प्रस्तुत शोध पत्र में भागलपुर जिला के जनसंख्या तथा लिंगानुपात में 2001–2011 की अवधि के बीच परिवर्तन का अध्ययन किया गया है। यह अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसकी प्राप्ति जिला सांख्यिकी कार्यालय भागलपुर, जनगणना 2001 तथा जनगणना 2011 के माध्यम से की गयी है। कुछ आंकड़ों की प्राप्ति वेवसाइट के माध्यम से भी की गयी है।

संग्रह किये गये आंकड़ों का अध्ययन की सुविधा के लिए प्रखण्ड स्तर पर सारिणी का निर्माण किया गया है तथा इसके आधार पर उपयुक्त मानचित्रों तथा रेखाचित्रों का निर्माण किया गया है। पुनः इसके आधार पर इन सारिणी तथा मानचित्रों में दी गयी सूचनाओं को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

तालिका – 1

प्रखण्ड	कुल जनसंख्या	पुरूष	महिला	ग्रामिण	नगरीय
नरायणपुर	106410	56771	49639	106410	.....
बिहपुर	122432	65022	57410	122432	.....
खरीक	132794	70778	62007	132794	.....
नौगछिया	154164	82255	71891	104826	49320
रंगरा चौंक	90323	48140	42183	90323	.....
गोपालपुर	94902	50658	44244	94902	.....
पीरपैंती	284951	152466	132485	284951	.....
कहलगाँव	364247	194523	169724	328771	35476
इस्माईलपुर	43457	23012	20445	43457	.....
सबौर	142684	75972	60712	130113	12571
नाथनगर	151071	80515	70556	145657	5414
सुल्तानगंज	251317	133686	117631	198525	52792
शाहकुण्ड	188091	100175	87916	188091	.....
गोराडीह	146060	77598	68462	146060	.....
जगदीशपुर	569202	302240	266992	444527	124675
सन्हौला	190189	100194	89945	190189	.....
योग (भागलपुर)	3032226	1614014	1418212	2432126	600100

स्त्रोत : जनगणना – 2011

यदि तालिका को देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र की कुल आबादी 3032226 व्यक्ति है तथा यह सोलह प्रखण्डों में बँटा है। इन सभी प्रखण्डों में जगदीशपुर प्रखण्ड की आबादी सर्वाधिक 569202 व्यक्ति है जो जिले की कुल आबादी का 18.77 प्रतिशत है। जगदीशपुर प्रखण्ड के बाद कहलगांव 364247 व्यक्ति के साथ जिले का दूसरा सबसे बड़ा प्रखण्ड है, इसी प्रकार क्रमशः पीरपैंती, सुल्तानगंज, सन्हौला, शाहकुण्ड, नौगछिया, नाथनगर, गोराडीह तथा सबौर प्रखण्डों का स्थान है। खरीक प्रखण्ड जिले में जनसंख्या की दृष्टि से ग्यारहवें स्थान पर है जबकि बिहपुर बारहवें, नारायणपुर तेरहवें, गोपालपुर चौदहवें, रंगरा चौक पन्द्रहवें स्थान पर तथा इस्माईलपुर प्रखण्ड जनसंख्या की दृष्टि से सोहलवें स्थान पर है इसकी कुल आबादी 43457 व्यक्ति है, यह जिले का सबसे कम आबादी वाला प्रखण्ड है। यदि तालिका के कॉलम संख्या 5 तथा 6 को देखा जाए तो अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण तथा नगरीय जनसंख्या के वितरण का पता चलता है। अध्ययन क्षेत्र के सोलह प्रखण्डों में केवल छह प्रखण्ड ऐसे हैं जहां नगरीय जनसंख्या निवास करती है। यदि कुल मिलाकर देखा जाए तो अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या की बहुलता है। यहां की कुल आबादी का 80.20 प्रतिशत भाग ग्रामीण है जबकि नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत मात्र 19.8 प्रतिशत है। नगरीय आबादी जिले के छः प्रखण्डों नौगछिया, कहलगांव, सबौर, नाथनगर, सुल्तानगंज तथा जगदीशपुर में केन्द्रित है। इन छः प्रखण्डों में सबसे अधिक नगरीय आबादी जगदीशपुर प्रखण्ड में 124675 व्यक्ति है जो इस प्रखण्ड के कुल आबादी का 21.90 प्रतिशत है। नगरीय जनसंख्य की दृष्टि से सुल्तानगंज दूसरे स्थान पर है यहां की कुल नगरीय आबादी 52779 व्यक्ति है जो इस प्रखण्ड के कुल आबादी का 20.51 प्रतिशत है। इसी प्रकार नौगछिया प्रखण्ड नगरीय आबादी की दृष्टि से तीसरा, कहलगांव चौथा तथा सबौर पांचवे स्थान पर है। नाथनगर नगरीय जनसंख्या की दृष्टि से सबसे कम आबादी वाला प्रखण्ड है। जहां तक ग्रामीण जनसंख्या की बात है जिले के सभी प्रखण्डों में

इसका मान 75 प्रतिशत से अधिक है। इस दृष्टि से कहलगांव प्रखण्ड 328771 व्यक्ति की आबादी के साथ पहले स्थान पर है,

तालिका – 2

प्रखण्ड	जनसंख्या 2001	जनसंख्या 2011	वृद्धि	वृद्धि दर
नारायणपुर	81971	106410	24439	29.88
बिहपुर	97033	122432	25399	26.17
खरीक	102825	132794	29969	29.14
नौगछिया	122809	154164	31355	25.53
रंगरा चौंक	72780	90323	17543	24.10
गोपालपुर	76420	94902	18482	24.18
पीरपैंती	219559	284951	65392	29.78
कहलगाँव	291823	364247	72424	24.81
इस्माईलपुर	37605	43457	5852	15.56
सबौर	109635	142666	33049	30.14
नाथनगर	122120	151071	28951	23.70
सुल्तानगंज	200123	251317	51194	25.58
शाहकुण्ड	153407	188091	34684	22.60
गोराडीह	112669	146060	33391	28.63
जगदीशपुर	471457	569202	97745	20.73
सन्हौला	150936	190139	39203	25.97
भागलपुर(कुल)	2423172	3032226	609054	25.13

स्त्रोतः जनगणना 2001, 2011

यहां ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 90.26 है। दूसरे स्थान पर पीरपैंती प्रखण्ड है जहां कुल ग्रामीण जनसंख्या 284951 व्यक्ति है तथा यहां की शत प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है। इसी प्रकार सुल्तानगंज तीसरे, सन्हौला चौथे तथा शाहकुण्ड पांचवें स्थान पर है। ग्रामीण जनसंख्या के घटते क्रम में अन्य प्रखण्डों का क्रम इस प्रकार है, गोराडीह, नाथनगर, खरीक, सबौर, जगदीशपुर, बिहपुर, नारायणपुर,

नौगछिया, गोपालपुर, रंगरा चौंक तथा इस्माईलपुर।

जनसंख्या वृद्धि

तलिका–2 से अध्ययन क्षेत्र में 2001–2011 की अवधि के बीच जनसंख्या वृद्धि का पता चलता है। इस अवधि में जिले की कुल जनसंख्या 2423172 से बढ़कर 3032226 हो गयी है अर्थात कुल जनसंख्या में 609054 व्यक्ति की वृद्धि हुअी है तथा वृद्धि दर 25.13 प्रतिशत है। प्रखण्ड स्तर पर जनसंख्या की सबसे अधिक वृद्धि सबौर में 30.14 प्रतिशत हुई है। जबकि नारायणपुर प्रखण्ड 29.88 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। पीरपैंती 29.87 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तीसरे स्थान पर है इसी प्रकार खरीक (29.14 प्रतिशत) पाँचवे, बिहपुर (26. 17 प्रतिशत) छठें, सन्हौला (25.97 प्रतिशत) सातवाँ, सुल्तानगंज(25.58 प्रतिशत) आठवां, नौगछिया(25.53 प्रतिशत) नौंवा, कहलगाँव (24.81 प्रतिशत) दसवां, गोपालपुर (24.18 प्रतिशत) ग्यारहवां, रंगरा चौंक (24.10 प्रतिशत) बारहवें, नाथनगर(23.70 प्रतिशत) तेरहवें, शाहकुण्ड(22.60 प्रतिशत) चौदहवें तथा जगदीशपुर (20.73 प्रतिशत) पन्द्रहवें स्थान पर हैं। अध्ययन क्षेत्र में सबसे कम दशकीय वृद्धि इस्माईलपुर प्रखण्ड में 15. 56 प्रतिशत हुअी है।

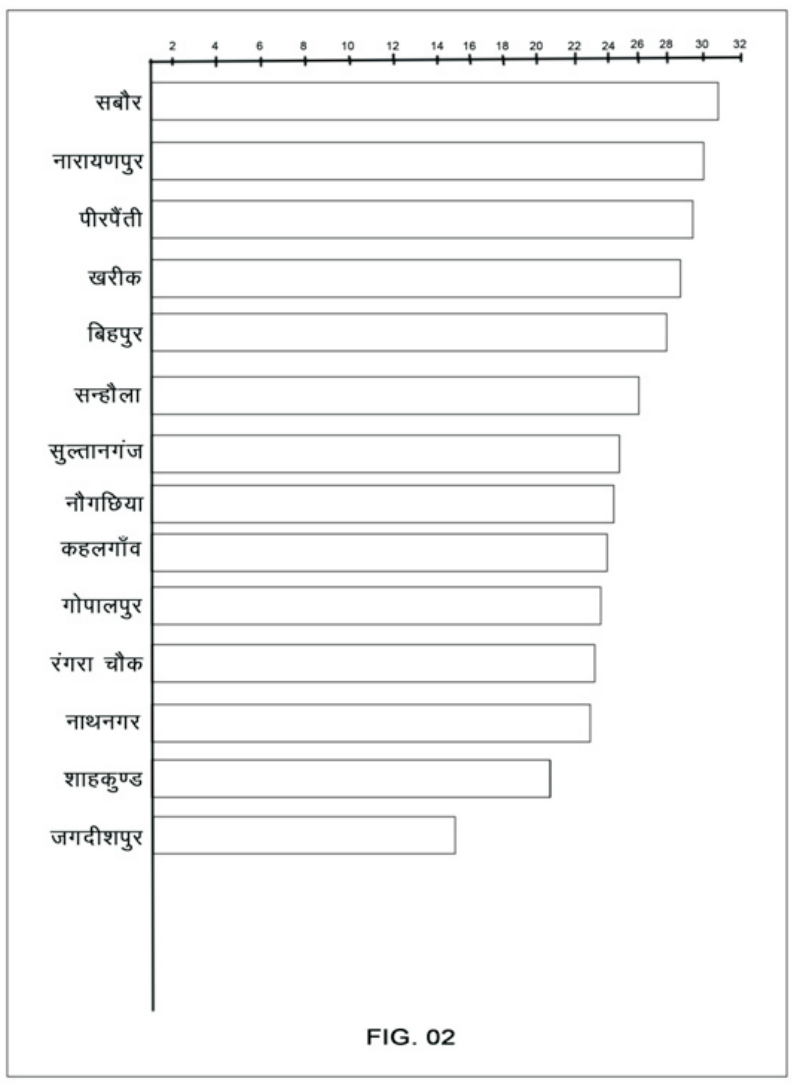

FIG. 02

तालिका – 3

प्रखण्ड	लिंगानुपात 2001	लिंगानुपात 2011	परिवर्तन
Bhagalpur (Dist)	876	879	+3
नारायणपुर	881	874	-9
बिहपुर	871	883	+12
खरीक	880	876	-4
नौगछिया	864	874	+10
रंगरा चौंक	861	876	+15
गोपालपुर	875	873	-2
पीरपैंती	875	869	-6
कहलगाँव	868	873	+5
इस्माईलपुर	877	888	+11
सबौर	863	878	+15
नाथनगर	876	876	0
सुल्तानगंज	876	880	+4
शाहकुण्ड	895	878	-17
गोराडीह	872	872	0
जगदीशपुर	873	883	+10
सन्हौला	912	898	-14

स्त्रोत : जनगणना 2001,2011

लिंगानुपात में परिवर्तन

तलिका–3 से यह स्पष्ट है कि भागलपुर जिला के विभिन्न प्रखण्डों में लिंगानुपात में 2001 से 2011 की अवधि में परिवर्तन हुआ। इस अवधि में सम्पूर्ण जिला के लिंगानुपात में (+3 अंकों) की वृद्धि हुअी है, जो जनांकिकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अध्ययन क्षेत्र के विभिन्न प्रखण्डों में लिंगानुपात में परिवर्तन की ओर ध्यान दिया जाए तो इस अवधि में जिले के सोलह प्रखण्डों में आठ प्रखण्ड ऐसे हैं जहां लिंगानुपात में घनात्मक परिवर्तन आया है। इन प्रखण्डों में सबौर तथा रंगरा चौक (+15 अंक) में यह वृद्धि सबसे अधिक हुअी है, लिंगानुपात में वृद्धि दर्ज करने वाले अन्य प्रखण्ड हैं, बिहपुर (+12 अंक), इस्माईलपुर (+11 अंक), नौगछिया तथा जगदीशपुर (+10 अंक), कहलगांव (+5 अंक), तथा सुल्तानगंज (+4 अंक), तालिका – 3 से यह पता चलता है कि अध्ययन क्षेत्र के छह प्रखण्डों में लिंगानुपात में ऋणात्मक परिवर्तन हुआ है। इस श्रेणी में शामिल प्रखण्ड है, शाहकुण्ड (–17 अंक), सन्हौला(–14अंक), नारायणपुर (–9), पीरपैंती (–6), खरीक (–4) तथा गोपालपुर (–2 अंक), नाथनगर तथा गोराडीह के लिंगानुपात में इस अवधि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

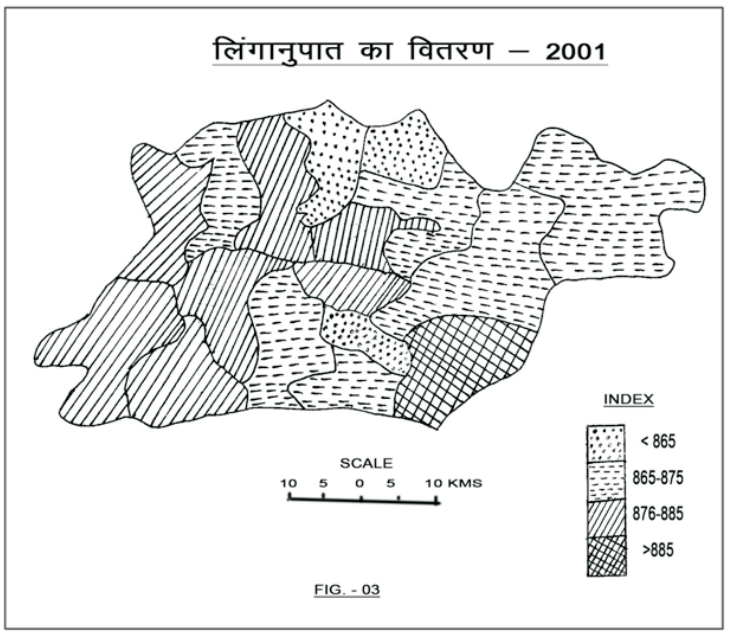

FIG. - 03

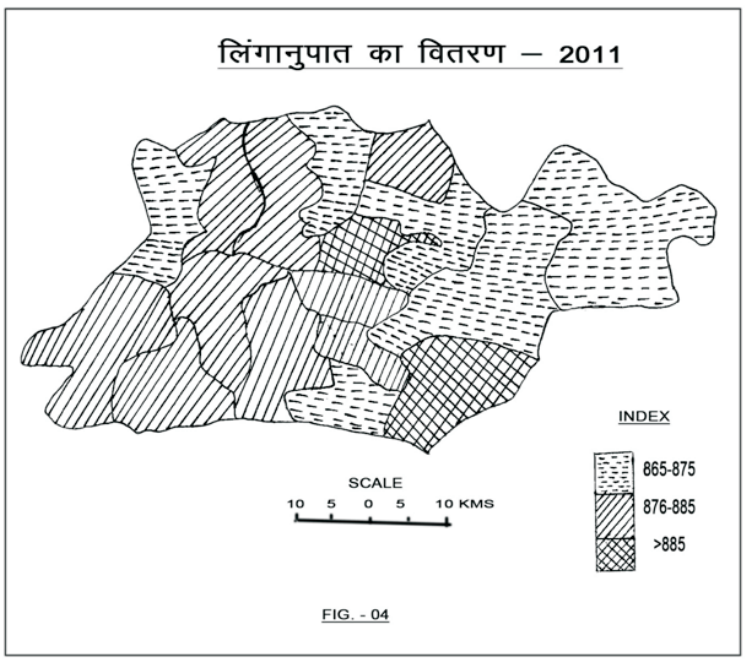

FIG. - 04

तालिका – 4

	2001	2011
<865	रंगरा चौक (861)	
	सबौर (863)	
	नौगछिया (864)	
865-875	कहलगांव (868)	पीरपैंती (869)
	बिहपुर (871)	गोराडीह (872)
	गोराडीह (872)	कहलगांव (873)
	जगदीशपुर (875)	गोपालपुर (873)
	गोपालपुर (875)	नौगछिया (874)
	पीरपैंती (875)	नारायणपुर (874)
876-885	नाथनगर (876)	रंगरा चौंक (876)
	सुल्तानगंज (876)	नाथनगर (876)
	इस्माईलपुर (877)	खरीक (876)
	खरीक (880)	सबौर (878)
	नारायणपुर (881)	शाहकुण्ड (878)
	शाहकुण्ड (895)	सुल्तानगंज (880)
		जगदीशपुर (883)
		बिहपुर (883)
>885	सन्हौला (912)	इस्माइलपुर (888)
		सन्हौला (898)

स्त्रोत – तालिका – 3 के आधार पर निर्मित

तलिका–4 के अवलोकन से यह पता चलता है कि अध्ययन क्षेत्र में लिंगानुपात का स्तर चिन्ताजनक स्थिति में है। यदि तालिका के कॉलम संख्या–1 को देखा जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यहाँ 2001 में लिंगानुपात सर्वाधिक 912 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष सन्हौला प्रखण्ड में था जबकि न्यूनतम लिंगानुपात रंगरा चौंक प्रखण्ड में 861 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष था। जबकि इस वर्ष (2001) में सम्पूर्ण बिहार में लिंगानुपात 916 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है। यदि राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो 2001 में लिंगानुपात 933 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले प्रखण्ड (सन्हौला 912) का मान राष्ट्रीय औसत (933) तथा राज्य औसत (916) दोनों से कम है। इसी वर्ष यदि विभिन्न प्रखण्डों में लिंगानुपात के वितरण को देखा जाए तो जिले के तीन प्रखण्ड रंगरा चौंक, सबौर तथा नौगछिया में लिंगानुपात का मान 865 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष से कम है, वहीं जिले के कहलगांव, बिहपुर, गोराडीह, जगदीशपुर, गोपालपुर तथा पीरपैंती में लिंगानुपात 865–875 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है। नाथनगर, सुल्तानगंज, इस्माइलपुर, खरीक, नारायणपुर तथा शाहकुण्ड में इसका मान 875–885 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष के बीच है। अध्ययन क्षेत्र के सोलह प्रखण्डों में सन्हौला एकमात्र ऐसा प्रखण्ड हैं जहां लिंगानुपात का मान राज्य औसत (916) के करीब है।

इसी प्रकार यदि तालिका–4 के कॉलम – 2 की ओर दृष्टिपात किया जाए जिसमें 2011 में लिंगानुपात को दिखाया गया है तो यह स्पष्ट हो जाता है कि 2001–2011 की अवधि के बीच लिंगानुपात के वितरण प्रतिरूप में सकारात्मक अंतर आया है। इस वर्ष सबसे कम लिंगानुपात वाला प्रखण्ड पीरपैंती है, जहां लिंगानुपात का मान 869 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है। गोराडीह, कहलगांव, गोपालपुर, नौगछिया तथा नारायणपुर में लिंगानुपात 865–875 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है। इसी तरह 876–885 महिलाएँ प्रति हजार पुरूष कोटि में भी पतिवर्तन देखने को मिलता है, 2011 में इस कोटि में रंगरा चौंक, नाथनगर, खरीक, सबौर, शाहकुण्ड, सुल्तानगंज, जगदीशपुर तथा बिहपुर प्रखण्ड शामिल है। इस्माईलपुर तथा सन्हौला में लिंगानुपात का मान 885 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष से अधिक है। तालिका के अवलोकन से यह स्पश्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में 2011 में लिंगानुपात सकारात्मक परिवर्तन हुआ है, परन्तु यह राज्य तथा राष्ट्रीय औसत से कम बना हुआ हैं।

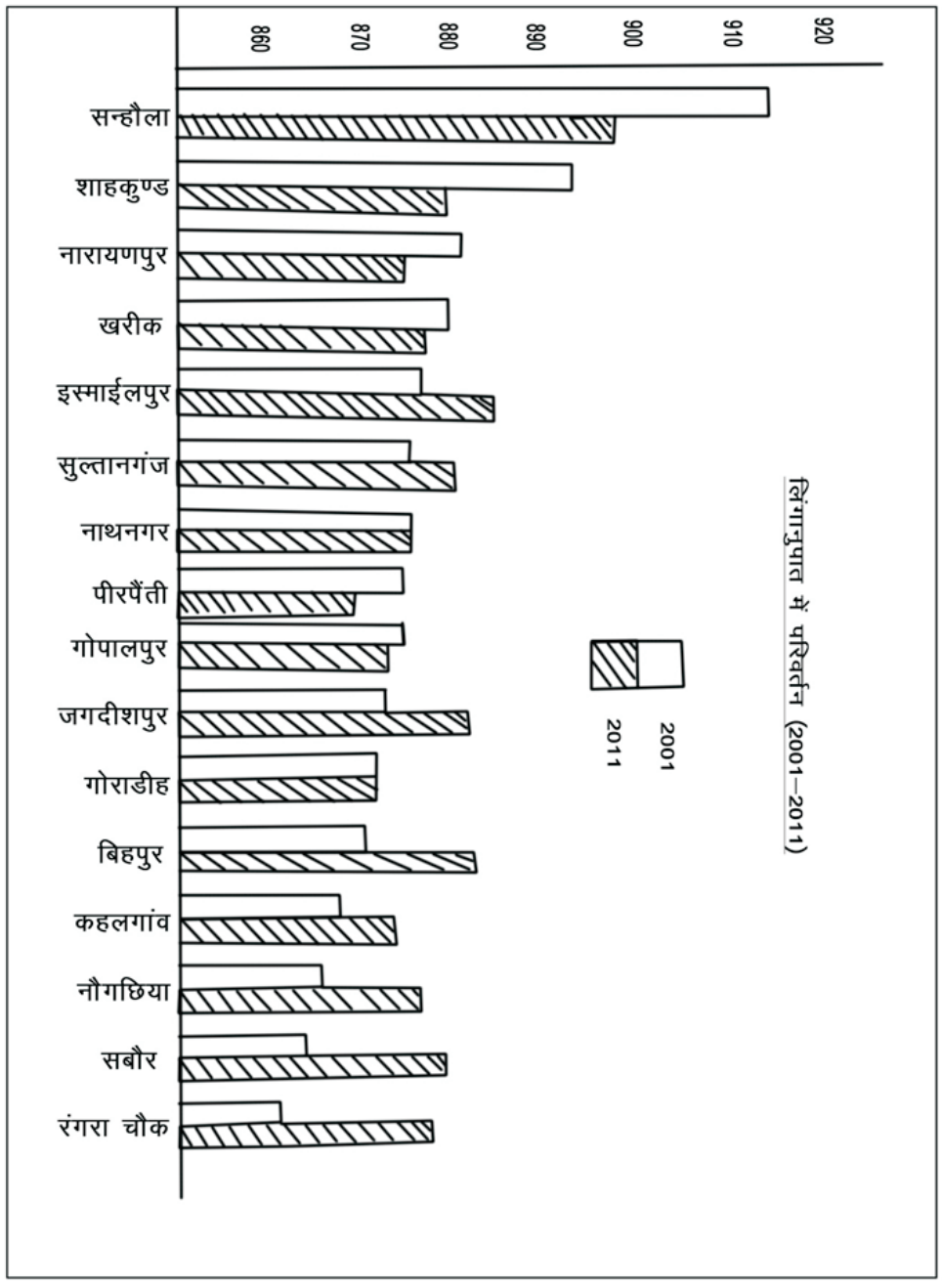

FIG. 05

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में लिंगानुपात महिलाओं के लिए प्रतिकुल बना हुआ है। सामान्य रूप से इसके लिए परम्परावादी समाज जिम्मेदार है जहाँ महिलाओं की निम्न सामाजिक–आर्थिक दशा इसका मुख्य कारण है। प्रायः विकासशील देशों में जहाँ साक्षरता का स्तर निम्न है तथा आर्थिक विकास सीमित पैमाने पर हुआ है, वहाँ लिंगानुपात विकसित प्रदेशों की तुलना में प्रायः कम है।

भारत में परम्परागत विस्तृात्मक समाज उत्तराधिकार के मामले में लड़के को वरीयता देता है और लड़की को कम महत्व देता है। सदियों से भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से की मानसिकता महिलाओं के मामले में असंवेदनशील और लैंगिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त रहा है। लड़की को आज भी बोझ समझा जाता है तथा कन्या भ्रूण हत्या के मामले में भारत विश्व में अग्रणी है। लिंग निर्धारण की अत्याधुनिक मेडिकल तकनीक के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण की हत्या कर दी जाती है। बहुत से मामले ऐसे भी होते है जबकि जीवित पैदा होने के बाद नवजात लड़की की हत्या कर दी जाती है अथवा उन्हें असहाय छोड़ दिया जाता है। यह सभी कारक मिलकर लिंगानुपात को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते है। अध्ययन क्षेत्र में 2001 से 2011 की अवधि के बीच लिंगानुपात में + अंकों की वृद्धि के बावजूद यहां लिंगानुपात राष्ट्रीय स्तर (933 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष) तथा राज्य स्तर (916 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष) से कम बना हुआ है।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत शोधपत्र में बिहार राज्य के भागलपुर जिला में जनसंख्या वृद्धि तथा लिंगानुपात में 2001–2011 की अवधि के बीच होनेवाले परिवर्त्तनों का पता लगाया गया है। अध्ययन क्षेत्र मध्य गंगा मैदान का पूर्वी भाग है, जहाँ लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। अध्ययन अवधि के दौरान दशकीय वृद्धि दर जहाँ 25.13 प्रतिशत रही है वहीं लिंगानुपात में +3 अंकों की वृद्धि हुअी है। परन्तु लिंगानुपात का स्तर राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर से निम्न है। इसका प्रमुख कारण समाज में महिलाओं की निम्न सामाजिक–आर्थिक दशा तथा लड़कों के प्रति लोगों की चाहत है। कई उन्नत मेडिकल तकनीक जैसे सोनोग्राफी आदि प्रसवपूर्व भ्रुणहत्या को बढ़ाने का काम कर रहे है। लिंगानुपात में सुधार के लिए महिलाओं में साक्षरता तथा रोजगार के साधनों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ :

1.चान्दना, आर.सी. (2009): जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
2.सिंह, गिरिजानन्दन सम्पादित, (2011) : आधुनिक बिहार का भौगोलिक स्वरूप, आर.के. बुक्स, नई दिल्ली।
3.सिंह, आर. बी. पी. एवं राव वी.वी., (1992) बिहार का भौगोलिक स्वरूप, वसुंधरा प्रकाशन, गोरखपुर।
4.भारत की जनगणना (2001) सीरीज 77,
5.भारत की जनगणना (2001) प्राथमिक जनगणना सार बिहार, खण्ड–1, सीरीज 11
6.Ahmed.E (1965) : Bihar a Physical Economic and regional Geography, Ranchi University, Ranchi.
7.Gauntia, R (1977) : Density of Rural Population in the Bihar plains, Geographical Bulletin of India, No. – 2
8.Singh, R.P. and Kumar Anil (1970) : Monograph of Bihar Bharti Bhawan, Patna.
9.Census of India (2011) Provisional Population Totals Volume – I, Series - 11
10.Visaria, L. (2011) : Indias 15th Population Census : Some key findings, Yojna, July 2011. Vol. 55, Pp. 16-19.

INTER REFERANCE

1.http:/www.gov.bih.nic.in
2.http:/www.mapsofindia.com
3.http:/www.rural.nic.in

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.net